साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 249 | जौनपुर, बुधवार, 05 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### गठबंधन की दिल्ली में बैठक होने की संभावना – शरद

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के नेता आगे की रणनीति तय करने के लिए बुधवार को दिल्ली में बैठक करेंगे। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के सरकार बनाने की संभावना नहीं है। लोकसभा चुनाव की मतगणना के अब तक के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अपने बूते बहुमत हासिल नहीं करने का संकेत मिलने के बीच, पवार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने मीडिया में आई खबरों के उलट बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार या तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू से बात नहीं की है। पवार ने कहा, ''मैंने (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे और (माकपा नेता) सीताराम येचुरी से बात की है। आज शाम तक अंतिम निर्णय लिये जाने की उम्मीद है। उसी के अनुसार, मैं दिल्ली जाऊंगा।''

यह पूछे जाने पर कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, पवार ने कहा, ''हमने इस पर विचार नहीं किया है।'' उन्होंने कहा, ''मैं आश्वत नहीं हूं कि इंडिया गठबंधन सरकार बना सकता है या नहीं। हम कल बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर आम सहमति से निर्णय लेंगे।'' पवार ने कहा कि उत्तर प्रदेश के नतीजों ने 'इंडिया' गठबंधन को एक नयी दिशा है। उन्होंने उल्लेख किया कि यहां तक कि जहां–जहां भाजपा जीत रही है, इसकी जीत का अंतर पिछली बार की तुलना में कम हो गया है। उन्होंने अपनी पार्टी के प्रदर्शन पर भी संतोष जताते हुए कहा कि इसने 10 सीट पर चुनाव लड़ा था, जिनमें सात पर आगे है।

### कैसरगंज में पिता बृजभूषण की विरासत संभालेंगे करण भूषण

लखनऊ, संवाददाता। कैसरगंज व गोंडा लोकसभा सीट से इस बार दो बड़े सियासी घरानों के नई पीढ़ियों की परीक्षा थी। कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र से हैट्रिक लगाने वाले मंडल के कद्दावर नेता बृजभूषण शरण सिंह की जगह अब कैसरगंज की विरासत उनके बेटे करण भूषण सिंह के जिम्मे होगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा की तीसरी पीढ़ी को पहले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। करण भूषण शरण सिंह ने कैसरगंज लोकसभा सीट पर एक लाख 48 हजार 843 मतों से जीत दर्ज की। करण भूषण को 5 लाख 71 हजार 263 मत मिले। जबकि इस सीट पर सपा प्रत्याशी भगत राम को 4 लाख 22 हजार 420 मत मिले। कैसरगंज लोकसभा सीट पर पिछले 28 सालों से दो ही राजनीतिक घरानों का दबदबा कायम रहा है। वर्ष 1996 से 2004 तक लगातार चार बार बेनी प्रसाद वर्मा यहां से सांसद रहे। उसके बाद वर्ष 2009 से 2024 तक बृजभूषण शरण सिंह यहां से सांसद रहे।

## सभी समस्यों का एक उपाय आओ मिलकर वृक्ष लगाएं – डा0 शीर्षेन्दु

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) वर्तमान में भौतिकवाद के अंधी दौड़ मे विकास के नाम पर लगातार वृक्षो की कटाई के कारण ही पृथ्वी का तापमान दिनोदिन बढ़ता जा रहा है ऋतुचक्र ही अव्यवस्थित हो

गया है । उक्त कथन डॉ.शीर्षेन्दु शील विपिन निदेशक सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित डॉ.राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अल्लीपुर, हरदोई में 5 जून 2024 विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित पौधा रोपण कार्यक्रम मे कहे।

महाविद्यालय की नवीन भूमि पर शील वाटिका की स्थापना की जा रही है जिसमे बर्ष भर प्रतिदिन कोई न कोई फल प्राप्त हो सके ।जिसके लिये आज आम,अमरूद,केला, लीची, नाशपाती,बेर, अमरख, बेल,आदि पौधो का रोपण किया गया।

डॉ.शशिकान्त पाण्डेय ने कहा वृक्ष धरा के आभूषण है और जीवन रेखा है वृक्षो के बिना बसुन्धरा सूनी हो जायेगी।

डॉ. विवेक बाजपेई ने कहा ध रती पर वृक्ष जीवन दायनी आक्सीजन, फल,फूल आदि जीवनोपयोगी साम्रगी देते है जिसके कारण हम सबका जीवन है विना वृक्षो के जीवन की कल्पना भी नही की जा सकती है। इस अवसर पर आनन्द विशारद, पारुल गुप्ता,प्रियंका यादव,मुकेश कुमार, अशीष मिश्र,सुमन कुशवाहा,मेघा गुप्ता, मनीषा मिश्रा, वैष्णवी पटवा आदि परिजन उपस्थित रहे। सभी ने अपने जीवन कम से कम पांच पौधे लगाकर उनकी वच्चो सी सेवाकर तैयार करे।

## राजनाथ सिंह ने लखनऊ की लोकसभा सीट पर तीसरी बार लगाई हैट्रिक

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ की सीट पर केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जीत तो जरूर गए हैं लेकिन उनकी जीत का अंतर पिछली बार की तुलना में काफी कम हो गया। 2019 के चुनाव में राजनाथ सिंह सपा से ही करीब साढ़े तीन लाख वोटों से जीते थे। इस बार यह अंतर एक लाख से कम हो गया। राजनाथ सिंह करीब 99 हजार वोटों से सपा प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा से आगे चल रहे थे। हालांकि उनकी जीत की औचारिक घोषणा चुनाव आयोग ने नहीं की है। राजनाथ सिंह तीसरी बार चुनाव जीत गए, लेकिन उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी सपा के रविदास मेहरोत्रा ने लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र में उन्हें खूब छकाया। दस चरण के वोटों की गिनती दौरान राजनाथ सिंह महज तीन बार ही रविदास को पछाड़ पाए। यहां के वोटों की गिनती शुरू हुई तो पहले

राउंड में रविदास को सबसे ज्यादा वोट मिले। हालांकि, दूसरे चरण की गिनती में राजनाथ उनसे आगे निकल गए। दस राउंड की गिनती के दौरान सात बार रविदास और तीन बार राजनाथ आगे रहे। इस विधानसभा क्षेत्र में राजनाथ के मुकाबले रविदास को खूब वोट मिले। कांटे की टक्कर का दौर परिणाम आने तक चलता रहा। दरअसल, रविदास मेहरोत्रा ने इस विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी को हराकर विधायकी का चुनाव जीता था।

शुरू से आगे रहे राजनाथ, मतदाताओं ने नहीं बदला मिजाज

पुराने रिकॉर्ड को देखते हुए जो अनुमान पूर्व विधानसभा क्षेत्र को लेकर लगाया जा रहा था, वही मिजाज मतगणना में फिर दिखा है। इस क्षेत्र को भाजपा का गढ़ माना जाता है। यहां वोटों की गिनती को लेकर जब ईवीएम खुली तो सामने आया कि मतदाताओं ने फिर अपना प्यार कमल पर ही लुटाया है और भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह को सबसे आगे कर दिया है। पूरब विधानसभा क्षेत्र लखनऊ लोकसभा सीट के तहत आता है। इस क्षेत्र से पिछले कई बार से भाजपा का ही विधायक बनता रहा है।

## ददरौल उपचुनाव में भाजपा की जीत पर खुशी की लहर

'रिपोर्ट जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' ददरौल विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के जीतने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। भाजपा उम्मीदवार अरविंद कुमार सिंह शाहजहांपुर की ददरौल विधानसभा उप चुनाव जीतने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने लड्डू बाँटकर व ढोल बजाकर खुशी का इजहार किया। आपको बता दें कि जनपद की ददरौल विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी अरविंद कुमार सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी सपा प्रत्याशी अवध ेश वर्मा को 16 हजार से अधिक मतों से हराकर विजय हासिल की। जीत की खुशी का इजहार करते हुए ददरौल क्षेत्र के ग्राम इटौरा निवासी भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता एवं पीलीभीत से नवनिर्वाचित सांसद जितिन प्रसाद के करीबीध्सहयोगी रोहित सिंह उर्फ सोनू ने इस जीत पर कहा कि ददरौल में हुई भाजपा की जीत से

साफ जाहिर होता है कि अगले विध ानसभा चुनावों में भी भाजपा अपनी जीत का परचम लहरायेगी।

ददरौल से भाजपा प्रत्याशी अरविंद कुमार सिंह की हजारों मतों से विजयी होना इस बात को साबित करता है कि ददरौल क्षेत्र की जनता भाजपा में विश्वास रखती है और वह उनके साथ है। वहीं शाहजहांपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अरूण कुमार सागर 50 हजार से अधिक मतों से विजयी हुए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी सपा प्रत्याशी ज्योत्सना गौड़ को भारी मतों से पराजित कर जीत का परचम लहराया। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी अरूण कुमार सागर के दोबारा एमपी बनने से भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुहँ मीठा कराते हुए जीत की बधाइयाँ दी गईं। बुधवार की सुबह से ही भाजपा के दोनों विजयी प्रत्याशियों के यहाँ बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। भाजपा से शाहजहांपुर लोकसभा चुनाव एवं ददरौल विधानसभा उपचुनाव में विजयी दोनों प्रत्याशियों ने जीत का श्रेय भाजपा कार्यकर्ताओं का भरपूर सहयोग एवं क्षेत्र की देवतुल्य जनता का भरपूर समर्थन व बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद के साथ ही समर्थकों ने फूल माला पहनाकर मिष्ठान वितरण कर खुशी मनाई।

## चुनाव परिणाम पर बोलीं ममता, लोगों की राय से मैं खुश हूं

कोलकाता, एजेंसी। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) पार्टी – जिसे टीएमसी के नाम से भी जाना जाता है – ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनावों में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की, जैसा कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पोर्टल, के आंकड़ों से पता चला है। शाम 5:35 बजे तक, टीएमसी राज्य के 42 संसदीय क्षेत्रों में से 29 पर आगे थी, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 12 और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) सिर्फ एक में आगे थी। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद संसद के निचले सदन में पश्चिम बंगाल का तीसरा सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने बहुमत का आंकड़ा हासिल नहीं किया। प्रधानमंत्री अपनी साख खो चुके हैं, उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन्होंने कहा था कि इस बार 400 पार। मैंने आपसे कहा था कि 200 पार भी होगा या नहीं पता नहीं। अब उन्हें टीडीपी और नीतीश कुमार के पैर पकड़ने होंगे। ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल के लोगों की राय से मैं खुश हूं, जिस संदेशखाली को लेकर दुष्प्रचार फैलाया गया, हमारी मां–बहनों का असम्मान किया गया लेकिन उसके बावजूद भी हम संदेशखाली सीट जीतें। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव एवं दो बार के सांसद अभिषेक बनर्जी पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर लोकसभा सीट पर 6.5 लाख मतों के भारी अंतर से बढ़त बनाकर लगातार तीसरी बार जीत की ओर अग्रसर हैं। निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, बनर्जी ने 929,584 वोट हासिल किये हैं, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के अभिजीत दास को महज 2,74,476 मत मिले हैं। यह भारी बढ़त बनर्जी की न केवल जीत सुनिश्चित करती है, बल्कि यह हाल के दशकों में लोकसभा चुनावों में जीत के सबसे बड़े अंतरों में से एक होगा। वर्ष 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में बनर्जी ने तीन लाख मतों के अंतर से जीत हासिल की थी तथा उन्हें 56 प्रतिशत से अधिक वोट मिला था।

## लोकसभा चुनाव के नतीजे हमारे पक्ष में होंगे, एनडीए चार सौ पार करेगी – धामी

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मंगलवार को हरिद्वार पहुंचे। चारधाम यात्रा पंजीकरण केंद्र ऋषिकुल क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। सीएम धामी ने श्रद्धालुओं

से हाल जाना और मीडिया से बात की। सीएम धामी ने कहा कि चार धाम यात्रा चल रही है और किसी भी यात्री को कोई परेशानी ना हो, इसके लिए हमने जोरदार तैयारी की हुई है। इसी को लेकर आज हरिद्वार में श्रद्धालुओं से भी हमारी बातचीत हुई है। धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार देश के कोने–कोने से चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करती है। सरकार उनके मंगलमय यात्रा की कामना करती है, यात्रा में किसी को कोई परेशानी ना हो, इसके लिए उत्तराखंड सरकार लगातार प्रयास कर रही है। एग्जिट पोल के आंकड़ों पर उन्होंने कहा कि चुनाव के नतीजे भी हमारे पक्ष में ही होंगे। हमें उम्मीद है कि एनडीए चार सौ पार करेगी।

देश की जनता ने पीएम मोदी की नीति और विकसित भारत के संकल्पों पर मुहर लगाई है। पिछले दस साल में देश में कई विकास कार्य हुए हैं। मोदी सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं, जिस पर देश की जनता ने मुहर लगाई है। लोकसभा चुनाव के लिए देश भर में सात चरणों में वोट डाले गए। शनिवार को अंतिम चरण के मतदान के बाद देर शाम तमाम एजेंसियों और न्यूज चौनल्स के एग्जिट पोल सामने आए।

## राहुल गांधी ने रायबरेली और वायनाड दोनों सीटों पर भारी अंतर से लहरा दिया परचम

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया है। कांग्रेस पार्टी के

दिग्गज नेता राहुल गांधी ने इस बार एक बार फिर से वायनाड से चुनाव लड़ा था। उन्होंने वायनाड से बंपर वोटों से जीत हासिल कर ली है। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश (यूपी) की रायबरेली सीट से भी जीत हासिल की है। इस लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में भारी मतों के अंतर से जीत हासिल की है। ये जानकारी भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की वेबसाइट पर दी है। जानकारी के मुताबिक वायनाड में गांधी ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की एनी राजा को 3,64,422 मतों के भारी अंतर से हराया, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केरल प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन 1,41,045 मत हासिल कर तीसरे स्थान पर रहे। कांग्रेस के पारंपरिक गढ़ रायबरेली में कांग्रेस नेता ने भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को फिर से 3,89,341 मतों के बड़े अंतर से हराया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के ठाकुर प्रसाद यादव मात्र 21,588 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे। यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। 2019 में भी उन्हें अमेठी में कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा था, जिसमें वह केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता स्मृति ईरानी से हार गए थे। हालाँकि, उन्होंने वायनाड में शानदार जीत हासिल की। वर्ष 2014 से ही पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अपनी पार्टी के चुनावी प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय रूप से अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत की सबसे पुरानी पार्टी न केवल आम चुनाव हारी, बल्कि कई राज्यों में सत्ता भी गंवा दी। वोटों की गिनती के दौरान प्रारंभिक नतीजों से पता चला कि उत्तर प्रदेश में उनके और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह तथा केरल में के. सुरेन्द्रन के बीच कड़ी टक्कर है।

## सभी पांच सीटें जीतने से हमारा मनोबल बढ़ा – चिराग पासवान

पटना, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित किए जा रहे हैं। अब तक सामने आए रुझानों में एक बार फिर देश में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। एनडीए ने बहुमत (272) का आंकड़ा पार कर लिया है। जबकि इंडिया गठबंधन भी 230 से ज्यादा सीटों पर आगे है। इस बीच चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को रुझानों में बंपर फायदा हुआ है।

इस चुनाव में चिराग पासवान ने जमुई लोकसभा सीट छोड़कर हाजीपुर से चुनाव लड़ा है। वह इस सीट पर जीत के करीब हैं। चिराग पासवान ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि बिहार की जनता ने पूरी तरह से विश्वास किया है। मेरे लिए डबल खुशी की बात है। सौ प्रतिशत स्ट्राइक रेट हम फिर से बनाने जा रहे हैं। हमारी पार्टी के पांच में से पांच सीटें जीतना हमारे मनोबल को बढ़ाता है। इसका श्रेय हमारे गठबंधन में शामिल हर एक पार्टी के कार्यकर्ता को जाता है।

जीत का श्रेय गठबंधन के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। इससे पहले चिराग पासवान ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, ष्फिर एक बार – मोदी सरकार! पीएम नरेंद्र मोदी के समर्थन में मैं और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) मजबूती के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एनडीए पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। देश को पुनः तीसरी बार एक मजबूत और सशक्त सरकार मिलने जा रही है।

## स्मृति ने स्वीकार की अपनी हार, मैं अमेठी के लोगों की सेवा करती रहूंगी

अमेठी, संवाददाता। केंद्रीय मंत्री और उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने अपनी हार स्वीकार कर

ली है। स्मृति ईरानी ने प्रेस वार्ता में कहा कि मैं उन सभी भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने अत्यंत समर्पण और निष्ठा के साथ निर्वाचन क्षेत्र और पार्टी की सेवा में काम किया है। उन्होंने कहा कि आज मैं पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ का आभारी हूं कि उनकी सरकारें 30 वर्षों के लंबित कार्यों को मात्र 5 वर्षों में पूरा किया है। मैं जीतने वालों को बधाई देती हूं। मैं अमेठी के लोगों की सेवा में बनी रहूंगी। अमेठी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के किशोरी लाल ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) उम्मीदवार स्मृति ईरानी को हराया। गांधी परिवार के भरोसेमंद लेफ्टिनेंट किशोरी लाल शर्मा के साथ करीबी लड़ाई में ईरानी सीट बरकरार रखने की कोशिश कर रही थीं। 20 मई को पांचवें चरण के चुनाव के दौरान 54.40: मतदान के साथ अमेठी का भाग्य तय हो गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका अमेठी में लगा, क्योंकि स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को 55,000 वोटों से हरा दिया। जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ने का विकल्प चुना, तो यह निर्णय राजनीतिक परिदृश्य में गूंज उठा।

## प्रदेश के लोगों ने एक बार बीजेपी को दिया जनादेश

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की सभी चार लोकसभा सीट पर भाजपा के आगे रहने के बीच प्रदेश पार्टी अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि लोगों ने एक बार फिर उनकी पार्टी को जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की 'बड़ी हार' है जो अपनी सरकार के अब तक के 18 महीने के कार्यकाल में 'लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने में विफल' रहे हैं। बिंदल ने यहां जारी वीडियो संदेश में कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा अपनी सत्ता का 'दुरूपयोग' किए जाने के बाद भी भाजपा हिमाचल प्रदेश में सभी चार सीट पर आगे है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार ने धनबल का इस्तेमाल किया, कर्मियों को धमकी दी, भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ फर्जी मामले दर्ज किये लेकिन उसके बाद भी भाजपा प्रत्याशी राज्य में सभी चार लोकसभा सीट जीत रहे हैं।

मंडी में भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य से 70,178 मतों से आगे हैं वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हमीरपुर सीट पर कांग्रेस के सतपाल रायजादा से 1,55,840 मतों से आगे हैं। पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और निवर्तमान सांसद सुरेश कश्यप शिमला में 85,465 मतों से तथा भाजपा प्रत्याशी राजीव भारद्वाज कांगड़ा में 2,33,512 मतों से आगे हैं। भारद्वाज के कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी आनंद शर्मा ने अपनी हार मान ली है।

# संपादकीय

## देश की बेहतरी के लिए उचित नीतियां

आज 18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद एक नई सरकार अपना कार्यभार संभाल लेगी। आइए, चुनावी दौर की तल्ख बयानबाजी से थोड़ा अलग हटकर हम आर्थिक नीति के क्षेत्र में नई सरकार के महत्वाकांक्षी एजेंडे को निर्धारित करने की कोशिश करते हैं। हालांकि भारत ने कोविड–19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन भू–राजनीतिक कारणों से अब भी झटके लगने की आशंका एवं अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। एक मुक्त अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत इससे अछूता नहीं है। हालांकि मूडीज और एस एंड पी जैसी प्रतिष्ठित क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के अलावा, विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तक ने भारत की विकास दर की तारीफ की है। फिर भी चुनौतियां बाकी हैं। इसलिए नई सरकार का व्यापक एजेंडा घरेलू और बाहरी क्षेत्र (अंतरराष्ट्रीय) के लिए उचित नीतियों के माध्यम से भारत की क्षमता को बेहतर बनाने में मददगार होना चाहिए। घरेलू क्षेत्र की नीतियों के तहत सरकार का ध्यान निजी निवेश बढ़ाने और सार्वजनिक कर्ज घटाने पर केंद्रित होना चाहिए। बाहरी क्षेत्र की नीतियों को उन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो व्यापार के खुलेपन पर प्रतिबंध लगाए बिना भारत के लिए वैश्विक झटकों के जोखिम को कम करे। अब हम कुछ ऐसे क्षेत्रों की चर्चा कर रहे हैं, जिन पर नई सरकार अपना ध्यान केंद्रित करना चाहेगी। भारत की राष्ट्रीय समृद्धि अलग–अलग राज्यों की समृद्धि से जुड़ी हुई है। आर्थिक समृद्धि के लिए केंद्र सरकार का काम नीति एवं विश्वास का एक सक्षम ढांचा तैयार करना है। आर्थिक सुधार के 25 वर्ष बाद यह स्पष्ट है कि केंद्र एवं राज्यों की आर्थिक नीति संबंधी कार्रवाइयां लोगों की आर्थिक नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। देश के आर्थिक विकास और प्रगति के लिए आने वाली सरकार को विकास एवं समृद्धि का लाभ उठाने की खातिर केंद्र–राज्य संबंधों को और मजबूत बनाना होगा। वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों ने आर्थिक विकास में राज्यों की भूमिका को व्यापक तरीके से बढ़ाया। यह प्रक्रिया आज भी जारी है। उसके बाद आने वाली सभी सरकारों ने इस प्रक्रिया को और मजबूत ही बनाया है। केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहद सामंजस्यपूर्ण रिश्ते देश के लोगों की आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होंगे। हालांकि हाल के महीनों में विभिन्न मुद्दों पर हमने केंद्र और राज्यों के रिश्तों में तनाव देखा है। बेशक, इनमें से कुछ मुद्दे चुनावी मौसम होने के कारण हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय संसाधनों पर राज्यों के अधिकार, वित्तीय स्वायत्तता तथा केंद्र एवं राज्यों की विषम शक्तियां ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका समाधान एक संघीय देश को हमेशा करने की आवश्यकता होती है। यह एक सतत प्रक्रिया है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है। यदि इनका समाधान न किया जाए, तो ये जरूर असामान्य हो सकते हैं। केंद्र एवं राज्यों के बीच चर्चा, बहस और बातचीत के लिए इस तरह से एक संस्थागत ढांचा तैयार किया जाना चाहिए कि वह केंद्र–राज्य संबंधों के सभी मुद्दों का भरोसे के आधार पर समाधान सुझाए। हमारे देश का तेजी से शहरीकरण हो रहा है। वर्ष 2030 तक शहरी आबादी के मामले में भारत सबसे ज्यादा शहरीकृत देशों में से एक होगा। चूंकि तेज शहरीकरण के साथ–साथ विस्थापन भी तेजी से बढ़ेगा, इसलिए तेज शहरीकरण के लिए जरूरी संसाधनों के वित्तपोषण की खातिर उचित तरीके के बारे में सोचने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था और समाज में दूरगामी बदलावों के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रावधान महत्वपूर्ण है और इसे रणनीतिक जरूरत ही माना जाना चाहिए। शहरीकरण का लाभ उठाने और चुनौतियों से निपटने के लिए सार्वजनिक निवेश संबंधी समर्थन महत्वपूर्ण होगा। नई सरकार को नए शहरी विकास के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। साझा बाजार के विकास, उच्च आर्थिक विकास और राजस्व के मामले में जीएसटी का व्यापक लाभ उठाने के लिए जीएसटी संरचना के ढांचे को और ज्यादा सरल बनाने की जरूरत है। दो–दर वाली जीएसटी संरचना तैयार करने के लिए जीएसटी ढांचे में और सुधार की खातिर परामर्श प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। असल में, जीएसटी ढांचे में परिवर्तन केवल जीएसटी परिषद में ही किया जा सकता है। इसलिए इस दिशा में कदम उठाना जीएसटी ढांचे को सरल बनाने के दीर्घकालीन समाधान के लिए फायदेमंद होगा। नया जीएसटी ढांचा इस तरह तैयार किया जाना चाहिए, जिसका आधार व्यापक हो, लेकिन कर की दर कम हो। यह आसान काम नहीं है। राजस्व और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर ऐसे बदलावों के निहितार्थ को समझने के लिए प्रमुख नीति विश्लेषण एवं आम सहमति बनाने की जरूरत होगी। चूंकि भारत व्यापक आर्थिक समृद्धि हासिल करने की ओर तेजी से अग्रसर है, इसलिए देश में बढ़ती आर्थिक असमानता से निपटने के लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है। इसके लिए सरकारी खर्च को अधिक से अधिक पुनर्वितरित करने की आवश्यकता है। हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान विरासत में मिली संपत्ति पर कर लगाने के बारे में काफी चर्चा हुई, लेकिन विभिन्न देशों के अनुभवों से यह स्पष्ट है कि संपत्ति पर कर लगाकर प्रगति की गुंजाइश बहुत कम है। इस मामले में भारत का अपना अनुभव भी बहुत अच्छा नहीं है। इसलिए व्यापक आधार पर सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए सरकारी खर्च के पुनर्वितरण पर ध्यान केंद्रित करना ज्यादा मददगार साबित होगा। अंत में, नई सरकार का दीर्घकालीन एजेंडा प्रौद्योगिकी में निवेश, डिजिटल बुनियादी ढांचे का विस्तार व उसका विनियमन करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन करने के लिए उचित नीतिगत ढांचा तैयार करने पर केंद्रित होना चाहिए।

# फिर से लौट आया गठबंधन सरकारों का दौर

विनोद

एग्जिट पोल एकबार फिर गलत साबित हुए हैं और लोकसभा चुनाव में देश की तस्वीर करीब–करीब साफ नजर आने लगी है। किसी भी दल को पूर्ण बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है। भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़े दल के रूप में उभरती दिख रही है। अभी चल रहे ट्रेंड में भाजपा 240 से अधिक सीटें अकेले दम पर लेकर आ रही है। उसके नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) बहुमत के साथ 290 से अधिक सीटों के साथ बहुमत हासिल करता दिख रहा है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन ने बेहद मजबूती से चुनाव लड़ा है। कांग्रेस अपने दम पर 100 सीटें लाती दिख रही है। यूपी में समाजवादी पार्टी ने बड़ा उल्टफेर करते हुए 35 से अधिक सीटों पर बढ़त बनाई है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने एकतरफा जीत दर्ज की है।

भारतीय जनता पार्टी को सबसे अधिक नुकसान उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में हुआ है, जहां पार्टी को उम्मीद थी कि इस बार फिर वो करिश्माई प्रदर्शन दोहराएगी। पार्टी ने हरियाणा और कर्नाटक में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। इन्हीं राज्यों के कारण भारतीय जनता पार्टी अपने अकेले के दम पर पूर्ण बहुमत लाने से चूकती नजर आ रही है। हालांकि, उड़ीसा, मध्यप्रदेश, गुजरात, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, छत्तीसगढ़, असम, उत्तर पूर्व के राज्यों में पार्टी में अच्छा प्रदर्शन किया है। केरल में भी अपना खाता खोल लिया है, लेकिन तमिलनाडु में पार्टी को निराश होना पड़ा है, जहां लंबे समय से पार्टी अपने संसाधन झोंकती आ रही है। दूसरी ओर, इंडी गठबंधन ने यूपी, तमिलनाडु, राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। विशेष का उत्तर प्रदेश में यही माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2019 के प्रदर्शन को दोहराएगी। पहले चरण के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास के नाम पर चुनाव लड़ा, लेकिन जैसे ही कम वोटिंग हुई तो दूसरे चरण से विकास का मुद्दा छोड़कर नरेंद्र मोदी हिंदुत्व, कांग्रेस की कमजोरी, इंडी गठबंधन, मुस्लिम तुष्टीकरण, संपत्ति के बंटवारे जैसे मुद्दे पर उतर आए। दूसरे से सातवें चरण तक आते–आते चुनाव बेहद आरोप–प्रत्यारोपों में बदलता दिखा। नरेंद्र मोदी ने चुनाव से पहले 400 पार का नारा दिया था और अब लग रहा है कि यही नारा पार्टी के गले की फांस बना, क्योंकि भाजपा के कई नेताओं ने 400 पार के नारे को संविधान से जोड़ दिया और यहां तक कह दिया कि पार्टी संविधान बदलेगी। इसी मुद्दे को इंडी गठबंधन ने जोर–शोर से पूरे चुनाव में पकड़े रखा। खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने जनता को यह विश्वास दिलाया कि अगर तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो संविधान बदल देंगे, आरक्षण खत्म कर देंगे, तानाशाही आ जाएगी। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की नुकसान का बड़ा कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर विपक्ष का फैलाया भ्रम भी रहा, जिसमें विपक्ष बार–बार यह कह रहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री पद से हटाना चाहते हैं। शायद जनता को यह बात स्वीकार नहीं हुई। यूपी में जिस तरीके से पिछले 7 सालों से योगी आदित्यनाथ कानून व्यवस्था के मुद्दे पर आगे बढ़ रहे हैं तो उनकी छवि एक राष्ट्रीय नेता की हो गई है। योगी आदित्यनाथ को महिलाओं का भरपूर समर्थन मिला है, लेकिन अब लोकसभा चुनाव के नतीजे बता रहे हैं कि जनता में कहीं ना कहीं यह बात घर कर गई है कि योगी आदित्यनाथ को हटा सकते हैं। भाजपा से कहीं ना कहीं प्रत्याशियों के चयन में भी चूक हुई है। खासकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पार्टी ने अपने पुराने चेहरों पर ही दांव लगाया। उत्तर प्रदेश में तो बाहर से आए नेताओं को भी टिकट दिए गए। फिर जिस तरह से कांग्रेस के नेताओं ने लाइन लगाकर भाजपा ज्वाइन की, उससे भी पार्टी कार्यकर्ताओं में निराशा फैली। पहले चरण से ही दिख रहा था कि पार्टी कार्यकर्ता उस जोश से चुनाव में नहीं लगे हैं, जैसा 2014 और 2019 में देखने को मिला था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका में भी यही देखने को मिला, क्योंकि चुनाव में संघ भी उस तरीके से जमीन पर नजर नहीं आया, जैसा पिछले दो चुनाव में दिखा था। कांग्रेस इस बार विपक्षी दलों को एकजुट रखने में कामयाब रही। ममता बनर्जी को छोड़ दें तो इंडी गठबंधन में अपने–अपने राज्यों में सहयोगी दलों को सीटें दीं। भले पंजाब में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस आमने–सामने थे, लेकिन कांग्रेस यहां शुरू से मजबूत नजर आई। राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी ने भी जोर–शोर से प्रचार किया। इंडी गठबंधन के सभी सहयोगी दल, विशेष कर समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, राजद के तेजस्वी यादव हिंदी पट्टी में पूरे जोश खरगोश के साथ चुनाव में जुटे और सबने मिलकर बड़ी रैलियां कीं। यदि किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो एकबार फिर जोड़–तोड़ की राजनीति शुरू होगी। फिलहाल यही लग रहा है कि भाजपा के नेतृत्व में सरकार का गठन होगा, क्योंकि सबसे बड़ा दल वही है, लेकिन जनता दल (यू) की जो छवि रही है, वह इधर से उधर जाने की है, तेलुगू देशम पार्टी भी आंध्र प्रदेश में अच्छी सीटें लेकर आई है। अभी से ऐसी खबरें आ रही हैं कि इंडी गठबंधन एनडीए के दलों पर डोरे डाल रहा है। अगले दो–तीन दिन बेहद उतार–चढ़ाव के रहने वाले हैं। अंतिम सवाल, क्या यह माना जाए कि दोबारा से गठबंधन की सरकारों का दौर शुरू हो गया है?

# अमेरिका ही गाजा समस्या का समाधान सुनिश्चित कर सकता

आदित्य

चुनावी अनिश्चितता के कगार पर खड़े भारत ने पिछले सप्ताह पहले से कहीं अधिक आत्मविश्वास के साथ फिलिस्तीन के अधिकारों की रक्षा की। फिर भी, भविष्य को इजरायल के साथ "प्रत्यक्ष और सार्थक" वार्ता पर निर्भर बनाकर, संयुक्त राष्ट्र में भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज, शांति और न्याय को इजरायलियों के हाथों बंधक बनाने के जाल में फंस गईं, जो पश्चिम एशिया में समाधान के बजाय समस्या हैं। लेकिन फिर, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस जोशीली घोषणा के प्रति वफादार होना चाहिए कि "भारत के लोग इजरायल के साथ मजबूती से खड़े हैं"। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की जिद यह स्पष्ट करती है कि अगर कोई समाधान निकलता है, तो यह इजरायल के कारण नहीं बल्कि इजरायल के बावजूद होगा। आज का फैशनेबल मुहावरा फिर से एक "दो–राज्य समाधान" है जिसमें एक स्वतंत्र फिलिस्तीन के लिए सुरक्षित सीमाएँ और साथ ही इजरायल की सुरक्षा की पक्की गारंटी है। सच है, यह मिथक और रहस्यवाद में छिपे जायोनी भूमि–हड़पने से पैदा हुई समस्या का एकमात्र यथार्थवादी उत्तर है। लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन का हमास (कुछ अमेरिकियों के लिए ष्मानव जानवरष्) और ईरान को अपना सबसे बड़ा दुश्मन कहना गलत है। असली विरोधी मुस्लिम आतंकवादी नहीं बल्कि कट्टर यहूदी हैं जो नरसंहार को फिर से जीना बंद नहीं करते और फिलिस्तीनियों को नाजी पापों की कीमत चुकाने के लिए दृढ़ संकल्पित दिखते हैं। श्री ब्लिंकन को याद दिलाया गया कि श्री नेतन्याहू दो–राज्य समाधान पर कड़ी आपत्तियाँ प्रस्तुत करते हैं जब वे पश्चिमी तट को, जहाँ अधिकांश फिलिस्तीनी शरणार्थी रहते हैं, ष्यहूदिया और सामरियाष कहते हैं, जो बाइबिल के समय की यहूदी मातृभूमि है। यहाँ तक कि भाषा भी शाश्वत और अविभाज्य अधिकार का सुझाव देती है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के इस कथन के साथ कि ष्यदि कोई इजराइल नहीं होता, तो हमें अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए एक का आविष्कार करना पड़ताष् यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि जायोनीवादियों को अमेरिकी समर्थन पर भरोसा है। द्विपक्षीय वार्ता, जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा मांग की गई है और सुश्री कंबोज द्वारा संयुक्त राष्ट्र में दोहराया गया है, उन्हें केवल भविष्य पर वीटो की शक्ति प्रदान करेगी। राष्ट्रपति बिडेन के छह सप्ताह के अस्थायी संघर्ष विराम के नवीनतम प्रस्ताव की, जिसके परिणामस्वरूप युद्ध को समाप्त करने और गाजा के पुनर्निर्माण के लिए वार्ता होगी, इस प्रकाश में जांच की जानी चाहिए। इजराइली प्रचार से पता चलता है कि युद्ध की शुरुआत 7 अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा किए गए भयावहता से हुई थी। यहाँ तक कि सुश्री कंबोज ने भी सात महीने से अधिक के संघर्ष का उल्लेख किया। कम से कम 76 साल बाद 7 अक्टूबर को इजराइल में आतंकवादी हमला हुआ, जो ष्नकबाष – तबाही – के बाद से एक और मील का पत्थर था, जिसकी सालगिरह पर फिलिस्तीनी हर साल 15 मई को शोक मनाते हैं। यह 1948 का वह दिन था जब फिलिस्तीन से लगभग 800,000 फिलिस्तीनियों का जातीय सफाया किया गया था ताकि एक बार समृद्ध समुदाय के खंडहरों से इजराइल को बनाया जा सके। वास्तव में, जायोनी आतंकवादियों ने 15 मई, 1948 से बहुत पहले ही फिलिस्तीनियों को विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। वास्तव में, तब तक, कुल फिलिस्तीनियों की आधी संख्या को पहले ही निष्कासित कर दिया गया था। यह प्रक्रिया अभी भी श्री नेतन्याहू के ष्यहूदियाष और ष्सामरियाष में जारी है। इस त्रासदी का समाधान इजरायल की सद्भावना पर निर्भर करना हत्यारे और हत्या को समान करना है। एक ऐसा इजरायल जो पहले ही गाजा में 36,000 से अधिक फिलिस्तीनियों को मार चुका है, वह समाधान नहीं हो सकता। समाधान केवल अमेरिका से ही आ सकता है। यह भी स्पष्ट है कि श्री नेतन्याहू हमास को हराने के साथ–साथ अपने करियर को बचाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। बेनी गैंट्ज जैसे विरोधी, जो इजरायल के युद्ध मंत्रिमंडल के सदस्य हैं और जिन्हें अगले प्रधानमंत्री के रूप में प्रचारित किया जा रहा है, संकट समाप्त होते ही भ्रष्टाचार, विश्वासघात, रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के लंबित आरोपों पर अपना हमला फिर से शुरू कर देंगे। पिछले महीने राष्ट्रपति बिडेन द्वारा श्री गैंट्ज को वाशिंगटन आमंत्रित करने से उनकी संभावनाओं में सुधार हो सकता है। ऐसा कोई कानूनी कारण नहीं है कि इजरायल, जिसकी अपनी लूट–खसोट वाली वंशावली है, को फिलिस्तीन के भविष्य में कोई भूमिका क्यों मिलनी चाहिए। लेकिन वास्तविक कब्जा करने वाली शक्ति के रूप में, हालांकि बिना किसी वैधानिक मंजूरी के, इजराइल वैधता के अधिकार का प्रयोग करता है जबकि 140 से अधिक सरकारों को खारिज करता है जो अब फिलिस्तीन को अप्रासंगिक मानते हैं। लेकिन स्वीडन, नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन के सूची में शामिल होने और यूरोपीय संघ द्वारा गाजा में युद्ध विराम का आह्वान करने के साथ, पश्चिमी मुखौटे में दरारें दिखाई देने लगी हैं। यहां तक घ्कि अमेरिका भी चिंतित है कि युद्ध के बाद गाजा अमेरिकी वापसी के बाद अफगानिस्तान की तरह दिशाहीन हो सकता है, यही वजह है कि श्री ब्लिंकन इस बात पर जोर देते हैं कि इजराइल को ष्अराजकता और एक शून्यता से बचने के लिए भविष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिएष् जो अराजकता से भरने की संभावना है। उनके मन में इजराइल की कपटपूर्णता भी हो सकती है जिसने यासर अराफात के फतह के नेतृत्व वाले फिलिस्तीनी धर्मनिरपेक्षतावादियों का मुकाबला करने के लिए गाजा के इस्लामवादी आंदोलन को वित्तपोषित किया, जो फिलिस्तीन मुक्ति संगठन पर हावी था। मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा, हमास को औपचारिक रूप से 1987 में इजरायल के कब्जे का विरोध करने वाले पहले इंतिफादा के तुरंत बाद इजरायल के समर्थन से स्थापित किया गया था। इसका दोहरा उद्देश्य राष्ट्रवादी फिलिस्तीनी आंदोलन को विभाजित करना और, ज्यादा बुनियादी तौर पर, दो–राज्य प्रस्ताव को विफल करना था। इजराइल ने गणना की कि एक अस्वीकृतिवादी इस्लामवादी समूह का उदय दो–राज्य सूत्र को कमजोर करेगा और एक स्वतंत्र फिलिस्तीन के लिए पश्चिमी समर्थन को कम करेगा मोसाद के मुखबिर विक्टर ऑस्ट्रोव्स्की ने द अदर साइड ऑफ डिसेप्शन में खुलासा किया कि यह मोसाद की अरब दुनिया के लिए सामान्य योजना का हिस्सा था, जो कट्टरपंथियों द्वारा संचालित थी, जो पश्चिम के साथ किसी भी वार्ता को अस्वीकार कर देते थे।

# अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव परिणाम

नीरज

पूर्वोत्तर के दो राज्यों–अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव परिणाम सामने आ गये हैं। दोनों ही राज्यों में जनता ने वर्तमान सरकार को ही दोबारा सेवा का अवसर दिया है। हालांकि यह दोनों परिणाम बहुत बड़े संदेश भी देकर गये हैं। पहला संदेश यह है कि भाजपा ने पूर्वोत्तर में अपनी जड़ें गहरें तक जमा ली हैं। दूसरा संदेश यह है कि कांग्रेस यहां खत्म हो चुकी है। तीसरा संदेश यह है कि क्षेत्रीय दल पूर्वोत्तर में व्यापक जनाधार रखते हैं। अरुणाचल प्रदेश में प्रभासाक्षी की चुनाव यात्रा के दौरान हमने देखा था कि वहां की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अटूट विश्वास रखती है। लोगों ने हमसे बातचीत में कहा था कि जिस तरह पिछले दस सालों में अरुणाचल प्रदेश को विकास की तमाम सौगातें मिली हैं, जिस तरह यहां सड़क संपर्क को लेकर तेजी से काम हुआ है और सुदूर इलाकों तथा देश के अंतिम गांवों में भी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया गया है उसके चलते प्रदेश की जनता भाजपा के साथ खड़ी है। इसके अलावा भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में जिस तरह युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए तमाम तरह के वादे किये थे और इस राज्य में पर्यटन को नये पंख देने के लिए जो रूपरेखा जनता के बीच रखी थी उसका भी प्रभाव चुनावों में देखने को मिल रहा था। यहां भाजपा की लोकप्रियता का आलम यह था कि चुनावों की घोषणा के साथ ही पार्टी ने 10 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल कर ली थी। चुनावों के दौरान ईटानगर में भाजपा के मुख्यालय से लेकर जिलों के कार्यालयों तक में हमें जहां गहमागहमी देखने को मिली वहीं कांग्रेस के दफ्तरों में सन्नाटा पसरा हुआ था। हमने पाया था कि अरुणाचल में मुख्यमंत्री पेमा खांडू की लोकप्रियता भी काफी थी और उनके कामकाज को लोग पसंद करते हैं। यहां चुनावों के दौरान भाजपा ने कांग्रेस मुक्त अरुणाचल के नाम से जो अभियान चलाया था उसको भी काफी सफलता मिली थी क्योंकि जहां–जहां से यह यात्रा गुजरती थी वहां–वहां के कांग्रेसी नेता या कार्यकर्ता भाजपा का दामन थाम रहे थे। कांग्रेस को अरुणाचल प्रदेश में जो एक विधानसभा सीट मिली है वह दर्शा रही है कि पार्टी यहां खत्म हो चुकी है। यह स्थिति तब है जब हाल ही में अपनी भारत जोड़ो यात्रा लेकर राहुल गांधी ईटानगर पहुँचे थे और भाजपा पर तमाम प्रहार किये थे। वहीं सिक्किम की बात करें तो यहां जब हमने लोगों से बातचीत की थी तो लोगों ने साफ कर दिया था कि हमें भाजपा या कांग्रेस से कोई नाराजगी नहीं है लेकिन हम चाहते हैं कि यहां की सरकार कोई क्षेत्रीय दल ही संभाले। लोगों ने कहा था कि यदि भाजपा या कांग्रेस यहां सत्ता में आ गयीं तो वह हमारे खूबसूरत राज्य को शिमला, दार्जिलिंग जैसा भीड़भाड़ वाला इलाका बना देंगी। लोगों ने कहा कि भाजपा या कांग्रेस के यहां सत्ता में आने पर दिल्ली के लोग आकर गंगटोक में होटल ही होटल बना देंगे और यहां आने वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने पर हमारा राज्य भी वायु प्रदूषण की समस्या झेलने लगेगा। लोगों ने कहा था कि इस शांत राज्य की क्या जरूरतें हैं इस बात को क्षेत्रीय दल भलीभांति समझते हैं इसलिए हम उनको ही वोट देंगे। लोगों ने कहा कि 25 साल तक हमने पवन कुमार चामलिंग को मौका दिया और अब युवा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग अच्छा काम कर रहे हैं तो उन्हें ही अवसर देना चाहिए। लोगों ने यह भी कहा था कि भाजपा या कांग्रेस की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री दिल्ली के निर्देश पर काम करेगा लेकिन क्षेत्रीय दल का मुख्यमंत्री बनने पर वह यहां की जनता के हिसाब से काम करेगा। यह दोनों चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि स्थानीय जनता विकास को और अपने राज्य की तरक्की को तवज्जो देती है।

# शिवसेना, एनसीपी को तोड़ना रास नहीं आया मराठी समाज को

संजय

लोकसभा चुनाव के रुझान से यह साफ दिख रहा है कि शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को तोड़ना महाराष्ट्र में मराठी जनमानस को बिल्कुल भी रास नहीं आया। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह कदम कम से कम महाराष्ट्र में बड़ा आत्मघाती साबित होता दिख रहा है। इतना ही नहीं ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के हव्वा का केवल विपक्ष पर इस्तेमाल करना और उन्हें अपनी ओर करने के लिए इस जांच एजेंसी के उपयोग का फैसला भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के लिए प्रतिकूल परिणाम लेकर आ रहा है। दरअसल, राजनीतिक टीकाकारों का मानना है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व पिछले पांच साल के दौरान राज्य पा नेतृत्व पर बुरी तरह हावी रहा और हर फैसले दिल्ली से ही लिया जाने लगे थे। इसका भी असर चुनावी रुझानों पर दिख रहा है। इसके अलावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी का भारत जोड़ो

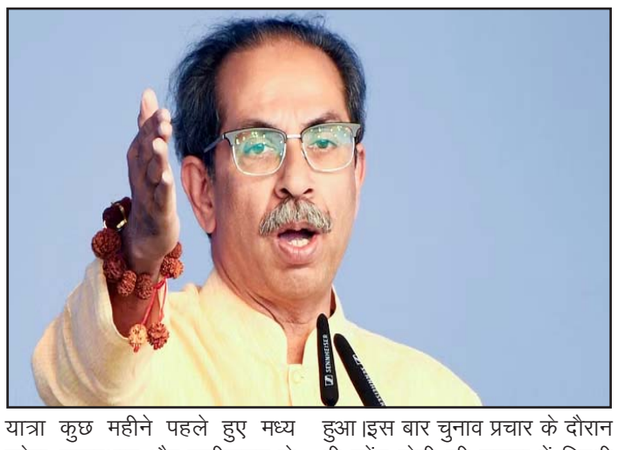

यात्रा कुछ महीने पहले हुए मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधान सभा चुनाव में भले अप्रभावी रहा हो, लेकिन दूसरे चरण में पैंट टीशर्ट पहने राहुल गांधी महाराष्ट्र में आए थे। इसका भी असर आम लोगों पर सकारात्मक असर हुआ।इस बार चुनाव प्रचार के दौरान भी नरेंद् मोदी की तुलना में विपक्षी नेताओं की सभाओं में ज्यादा भीड़ उमड़ रही थी और अब लग रहा है कि वह भीड़ अंततः वोट में तब्दील हो गई। भाजपा के प्रचार में संसाधन झोंकने और बड़ी तैयारी के बावजूद उतनी भीड़ नहीं जुट सकी, वहीं वित्तीय अभाव के बावजूद इंडिया गठबंधन के नेताओं की सभाओं में खूब लोग आए। उद्धव ठाकरे और शरद पवार जहां भी गए वहां लोगों ने उनका इस तरह से स्वागत किया था जैसे उनके साथ वाकई अन्याय हुआ है।

महाराष्ट्र की सियासत और चुनाव

चुनाव के पहले ही देश के दूसरे राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र में राजनीति का प्रवाह विपरीत दिशा में था। यहां बदलाव साफ दिख रहा था, लेकिन लोग बोल नहीं रहे थे। उन संकेत पर चुनावी रूझानों ने मुहर लगा दी है। दरअसल, पिछले दो साल में जितनी राजनीतिक उथल–पुथल और टूट–फूट महाराष्ट्र में हुई, उतनी देश के किसी भी राज्य में नहीं हुई। इसलिए यहां के चुनावी नतीजों पर पूरे देश की निगाह थी। इस बार लोकसभा चुनाव के नतीजे राज्य की सियासत में भारी उलटफेर कर रहे हैं। चुनाव परिणाम के रुझान से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार जैसे नेताओं के राजनीतिक जीवन पर प्रश्नचिन्ह लगता दिख रहा है। जिस सोशल मीडिया ने 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा को अप्रत्याशित सफलता दिलवाई वही सोशल मीडिया इस बार भाजपा के लिए भस्मासुर साबित हुआ। पूरे चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर मोदी के भाषण वायरल होते रहे जिसमें उन्हें कथित तौर पर भ्रष्टाचार के आरोपी नेताओं पर तंज कहते हुए सुना गया और संयोग से ये सभी लोग इस बार एनडीए का हिस्सा रहे। 2019 में बारामती में मोदी का भाषण "चक्की पिसिंग–चक्की पिसिंग" पूरे चुनाव के दौरान वायरल होता रहा। कांग्रेस ने इस बार सोशल मीडिया को बेहतर ढंग से इस्तेमाल किया। उसे इसका लाभ मिल रहा है।

पिछले दस साल में पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस के दामों में बेतहाशा वृद्धि हुई। इससे आम आदमी इस नरेंद्र मोदी सरकार से बहुत खुश नहीं था, क्योंकि महंगाई उसके जीनव को बुरी तरह प्रभावित कर रही थी। इस तरह कह सकते हैं कि महंगाई ने भी भाजपा के शासन में आम आदमी के जीवन को कष्टमय बना दिया था। सामान्य मराठी जनमानस पर कश्मीर से अनुच्छेद 370 के खात्मे और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का कोई असर नहीं हुआ। कई राजनीतिक समीक्षकों का मानना था कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का कांग्रेस के साथ गठबंधन करना आम शिवसैनिकों को रास नहीं आएगा, लेकिन वह आकल भी गलत साबित हो गया है। भाजपा का अबकी बार चार सौ पार का नारा को कांग्रेस ने उलट दिया था।

राहुल गांधी अपनी हर सभा में संविधान की प्रति लेकर जाते थे और कहते थे कि भाजपा लोकसभा की चार सौ सीट इसलिए चाहती है ताकि वह बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का लिखा संविधान बदल दे। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भाजपा संविधान बदल कर आरक्षण खत्म करना चाहती है। लिहाजा, कांग्रेस के संविधान बचाओ नारे का महाराष्ट्र में व्यापक इंपैक्ट हुआ। यही वजह है कि पिछली बार लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों में से एनडीए ने 41 सीटों पर कब्जा किया था। अकेले भाजपा के खाते में 23 सीटें गई थीं।

इस बार ताजा रूझान में महाराष्ट्र में एनडीए 16 सीट (भाजपा 10, शिनसेना 5 और एनसीपी 1) सीट पर आगे है, जबकि कांग्रेस 12, यूटीबी 11 और शरद पवार 8 सीट पर आगे हैं।

एक सीट सांगली पर निर्दलीय प्रत्याशी की बढ़त है। यह महाराष्ट्र की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत है। मुंबई और कोंकण, विदर्भ, पश्चिम महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और उत्तर महाराष्ट्र (खान देश),हर जगह भाजपा को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

## तीन क्षेत्रों में हारे जय प्रकाश, सवायजपुर और सदर ने किया बेड़ा पार

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) हरदोई लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जय प्रकाश की जीत की पटकथा सदर और सवायजपुर विधानसभा क्षेत्र ने लिखी। तीन विधानसभा क्षेत्रों में हार का सामना करने के बाद भी जय प्रकाश को सवायजपुर और सदर सीट से इतनी बढ़त मिल गई कि हार के आंकड़े को पूरा कर उन्होंने जीत की कहानी लिख डाली। जय प्रकाश को हरदोई सदर विधानसभा क्षेत्र से सबसे बड़ी बढ़त मिली तो सवायजपुर विधानसभा क्षेत्र से भी उन्हें निर्णायक वोट मिले।हरदोई लोकसभा क्षेत्र के अधीन सदर, सवायजपुर, शाहाबाद, सांडी और गोपामऊ विधानसभा क्षेत्र आते हैं। सदर से विधायक नितिन अग्रवाल प्रदेश सरकार में आबकारी मंत्री हैं तो शाहाबाद से विधायक रजनी तिवारी भी उच्च शिक्षा राज्यमंत्री हैं। सवायजपुर से भाजपा के माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू, गोपामऊ से भाजपा के श्याम प्रकाश और सांडी से भी भाजपा के प्रभाष कुमार विधायक हैं। इनमें से शाहाबाद, गोपामऊ और सांडी क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जय प्रकाश प्रतिद्वंदी सपा प्रत्याशी ऊषा वर्मा के सामने हार गए। सदर सीट से 24,068 वोट से और सवायजपुर से 19,005 वोटों से मिली बढ़त ने ही जय प्रकाश को जीत दिलाई।सदर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जय प्रकाश को 24,068 वोटों की बड़ी बढ़त मिली। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी को 1,11,932 वोट मिले, जबकि सपा प्रत्याशी ऊषा वर्मा को 87,864 वोट हासिल हुए। बसपा प्रत्याशी भीमराव आंबेडकर को इस क्षेत्र से 22,574 वोट मिले। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो सदर सीट से भाजपा को 1,30,074 वोट मिले थे और यहां सपा को 83,013 वोट मिले थे। तब यहां भाजपा प्रत्याशी को 47,061 वोटों की बढ़त मिली थी।सवाजपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जय प्रकाश को निर्णायक बढ़त मिली। जय प्रकाश को 1,12,097 वोट हासिल हुए। यहां सपा प्रत्याशी ऊषा वर्मा को 93,092 वोट मिले। इस क्षेत्र से जय प्रकाश ने ऊषा वर्मा को 19,005 वोटों से हरा दिया। इस क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी भीमराव आंबेडकर को 21,257 वोट ही मिले। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी को 46,834 वोटों की बढ़त मिली थी। यहां से भाजपा प्रत्याशी को 1,32,203 वोट मिले।शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जय प्रकाश को कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा और इस क्षेत्र में वह पिछड़ गए। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी को 91,973 वोट मिले, जबकि सपा प्रत्याशी ऊषा वर्मा को 97,948 वोट हासिल हुए। सपा प्रत्याशी ने इस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी को 5,975 वोटों से हरा दिया। बसपा प्रत्याशी भीमराव आंबेडकर को इस क्षेत्र से 25,846 वोट मिले। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो शाहाबाद सीट से भाजपा को 1,11,382 वोट मिले थे और यहां सपा को 92,766 वोट मिले थे। तब यहां भाजपा प्रत्याशी को 18,616 वोटों की बढ़त मिली थी।सांडी विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा प्रत्याशी जय प्रकाश को हार का सामना करना पड़ा। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी को 80,125 वोट मिले, जबकि सपा प्रत्याशी ऊषा वर्मा को 86,284 वोट हासिल हुए। सपा प्रत्याशी ने इस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी को 6,159 वोटों से हरा दिया। बसपा प्रत्याशी भीमराव आंबेडकर को इस क्षेत्र से 25,283 वोट मिले। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो सांडी सीट से भाजपा को 93,901 वोट मिले थे और यहां सपा को 81,101 वोट मिले थे। तब यहां भाजपा प्रत्याशी को 12,800 वोटों की बढ़त मिली थी।गोपामऊ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जय प्रकाश कड़े मुकाबले में सपा से पिछड़ गए। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी को 89,087 वोट मिले, जबकि सपा प्रत्याशी ऊषा वर्मा को 91,771 वोट हासिल हुए। सपा प्रत्याशी ने इस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी को 2,684 वोटों से हरा दिया। बसपा प्रत्याशी भीमराव आंबेडकर को इस क्षेत्र से 27,220 वोट मिले। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो गोपामऊ सीट से भाजपा को 99,684 वोट मिले थे और यहां सपा को 92,210 वोट मिले थे। तब यहां भाजपा प्रत्याशी को 7,474 वोटों की बढ़त मिली थी।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर विविध कार्यक्रम अयोजियत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग द्वारा जनपद जौनपुर में विभिन्न स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित करते हुए शहर वासियों, ग्रामिणों, कृषकों एवं आम जनता को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दीवानी न्यायालय परिसर जौनपुर में मा० जिला जज एवं अन्य मा० न्यायाधीशगणो के द्वारा पौध रोपण कार्यकम, शिव मन्दिर, ऋषि तालाब, खोतासराय–शाहगंज में वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यकम, बदलापुर शारदा देवी महाविद्यालय में छात्राओं एवं समाज सेवी द्वारा वृक्षारोपण एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता कार्यकम, मड़ियाहू बी०एन०बी०पी०जी कालेज में एन०सी०सी० कैडेड एवं कमाण्डेट के साथ वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम, बक्शा रेलवे यार्ड पौधशाला पर विद्यर्थियों को पर्यावरण के महत्व को बताते हुए बच्चों को नर्सरी का भ्रमण कार्यक्रम एवं जौनपुर के जगदीशपुर नर्सरी परिसर में गोष्ठी का आयोजन कर पर्यावरण के प्रति जागरूपता एवं सभी को अपने व्यवहार को प्रकृति के अनुकूल बनाने हेतु प्रेरित किया गया।

## दुर्दात अपराधियों के लिए काल बन जाते हैं एनकाउंटर स्पेशलिस्ट रामजनम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्वाट स्पेशल टीम के प्रभारी रामजनम यादव दुर्दांत अपराधियों के लिए काल बन जाते हैं। अब तक उनसे हुई मुठभेड़ में कई उपलब्धियां है। दुर्दांत इनामी बदमाशो को मार गिराने या उन्हें गिरफ्तार करने में कई सफलता पाई हैं। जिस लिए स्वाट टीम के लोगों ने सराहना भी करते है। बता दें कि जौनपुर जिले में कुछ ऐसे दुर्दात अपराधियों की तूती बोलने लगी जिसमें जिले की जनता की भय बढ़ती गई। इस बीच कई जाने माने राजनीति से जुड़े व्यक्तियों की हत्या हुई । जिसमें एक वर्ष पूर्व में हुई सपा नेता लालजी यादव की हत्या हो या प्रधान राजकुमार की हत्या हो या अन्य अपराध को बदमाशो ने अंजाम दिया। घटनाओ से पुलिस की नाक में दम कर रखे थे । विगत माह शाहगंज के पत्रकार व भाजपा नेता आशुतोष श्रीवास्तव की हत्या कर अपराधियो ने सनसनी फैला दी। पुलिस के लिए सरदर्द बन गए अपराधियों को पकड़ने के लिए तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में तेज तर्रार पुलिस अधिकारियों, पुलिस कर्मियों को जिम्मेदारी दी गई। स्वाट टीम व स्वाट स्पेशल टीम लगाया गया। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में अपराधियों के लिए कॉल बनने वाले स्वाट स्पेशल टीम प्रभारी रामजन्म यादव का अलग कार्यशैली रहा और उनकी निशाने पर सरायाख्वाजा का अपराधी में पेशी के दौरान बनारस से पुलिस की कार्रबाईन लेकर भाग गया था ,जिसके बाद वह हत्या लूट डकैती ,वसूली के कई घटनाओ को अंजाम दिया। डेढ लाख लाख का इनामी इस दुर्दांत अपराधी सतीश सिंह को सरपतहा के गैरवाह में स्वाट प्रभारी आदेश त्यागी व अपने

सहयोगियों के साथ मुठभेड़ में मार गिराया । इसके बाद वह करीब दर्जन मुठभेड़ में दो दर्जन से अधिक नामी ईनामी अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा ।स्पेशल स्वाट प्रभारी रामजनम यादव के तेवर को देखते हुए अपराधी जिला छोड़कर फरार होने लगे। हाल मे शाहगंज में हुए पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव हत्याकांड से अंतरराज्यीय अपराधी प्रशांत सिंह उर्फ प्रिंस का नाम भी शुरू में आया। जिसमें पुलिस अधीक्षक व अपर उप पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभारी स्वाट स्पेशल टीम रामजनम यादव व स्वाट प्रभारी विनीत राय को जिसके बाद रामजनम यादव ने दुर्दात अपराधी प्रशांत सिंह प्रिंस को घेरा ,इस दौरान उनके बुलेट प्रूफ जैकेट पर भी गोली लगी। दोनों ओर से चली फायरिंग में एक लाख का इनामी प्रशांत सिंह उर्फ ढेर हो गया। प्रिंस के ढेर होने की खबर लगते ही व्यापारियो नेताओ व लोगों ने राहत की सांस ली । वही स्वाट व स्पेशल स्वाट टीम प्रभारी व प्रभारी निरीक्षक खेतासराय दीपेंद्र सिंह,थानाध्यक्ष मनोज सिंह, प्रभारी बदलापुर रोहित मिश्रा, थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह की लोगों ने सराहना किया।

## एक लाख का इनामी अपराधी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार की रात

खेतासराय थाना अंतर्गत वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक लाख रुपये के इनामियां अपराधी प्रशांत सिंह को मार गिराया है तो वही मौके से उसका एक साथ ही फरार होने में सफल रहा है पुलिस ने घटनास्थल से अपराधी को लेकर जिला अस्पताल पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलती ही मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा ने भी पूरे मामले की जानकारी लिया। घटना के संबंध में बुधवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा ने बताया कि बीती रात थाना खेतासरा थाना अंतर्गत सूचना के आधार पर पुलिस के द्वारा चेकिंग की जा रही थी जिसमें वाहनों को चेकिंग के लिए रोके जाने पर बदमाशों द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग किया गया। जबाबी कार्यवाही में पुलिस पार्टी द्वारा फायरिंग किया गया इसके बाद आसपास के थानों की पुलिस को बुलाया गया। इस दौरान पुलिस मुठभेड़ में उसने एक बदमाश प्रशांत सिंह पुत्र तेज नारायण सिंह निवासी ईश्वरी नेवादा थाना सरायख्वाजा मुठभेड़ में मारा गया है। इसके ऊपर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था यह बीते 7 साल से फरार चल रहा था। इसके ऊपर हत्या लूट डकैती गैंगस्टर के मुकदमे इसके ऊपर दर्ज थे जिसमें यह वांछित था इसके ऊपर कुल 37 आपराधिक मामले दर्ज हैं जो की अलग–अलग जनपदों में है जिसमें जौनपुर आजमगढ़ अयोध्या इसके अलावा महाराष्ट्र के मुंबई में भी मुकदमा दर्ज है इसका एक साथी मौके से फरार है जिसको पकड़ने के लिए पुलिस टीम में दबिश दे रही है अग्रिम विधि कार्रवाई की जा रही है।

## राज्यमंत्री के बूथ पर अच्छे नंबरों से जीती भाजपा

देश की उपासना,
नितिन श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री गिरीशचंद्र यादव के गांव के तीन बूथ पर भाजपा अच्छे मतों से जीती है। सपा बेहद कमजोर हुई है। बता दे की राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीशचन्द्र यादव का घर समसपुर पनियरिया है ,वहा के तीनो बूध पर उन्होंने मतदान किया और आसपास के सभी बूतों पर उनके अपील से भाजपा अच्छे वोटो से जीत दर्ज की है। समसपुर बूथ पर भाजपा को 271 मत मिले। जबकि सपा को महज 200 मतों से संतोष करना पड़ा। जबकि बसपा को 50 मत मिले। इसके अलावा सतहडा पर भाजपा को 181 वोट मिले । जबकि सपा को 84 मिले और बसपा को 30 वोट मिले । जनापुर बूथ पर भाजपा को 137 वोट मिले। जबकि सपा को 106 वोट मिले वहीं। बसपा बढ़त लेकर 96 बोट हासिल किया।

हालांकि सभी बूथ पर स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव के ही प्रभाव का असर रहा। जहां कभी भाजपा दहाई की गिनती नहीं पार कर पाती थी, आज वहां सैकड़ो में जीत दर्ज कर रही है। इसके अलावा आसपास क्षेत्र पर सपाईयों के गढ़ में राज्यमंत्री गिरीशचंद्र यादव के प्रभाव के चलते भारी भरकम वोट भाजपा अपने पाले में आया। जबकी सपा कमजोर हो गई।

## गत दिनों स्वयं सहायता समूह के बीमा प्रबंधक से लूट का एसपी सिटी ने किया खुलासा

### थाना कैंट के साथ स्वाट/सर्विलांस टीम ने किया आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना कैंट पुलिस व स्वाट/सर्विलांस टीम ने गत दिनों थाना कैंट क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह के बीमा प्रबंधक से हुई लूट का खुलासा करते हुए आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को एक आरोपी पड़ोसी जिला सुल्तानपुर का भी शामिल हैं।थाना कैंट परिसर में इस मामले का खुलासा करते हुए एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि 31 मई को स्वयं समूह के बीमा प्रबंधक जीतेन्द्र यादव के साथ अज्ञात बदमाशों ने रायपुर नहर के पास से असलहे के बल पर उनका नोटो से भरा बैग लेकर फरार हो गए। इस संबंध में पीड़ित ने स्थानीय थाना पर मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट संजय मौर्या, प्रभारी स्वाट/सर्विलांस टीम अमरेश कुमार त्रिपाठी,उप निरीक्षक सुरेश कुमार पटेल,उप निरीक्षक रवीन्द्र यादव के अलावा पुलिस कर्मियों में शामिल हेड कांस्टेबल ज्ञान प्रकाश यादव,ओम प्रकाश सिंह, देवाशीष सिंह, अमित कुमार राय,सौरभ,हेड कांस्टेबल चन्द्र भान यादव शामिल रहे। जिन्होंने बुधवार को लूट की योजना बना रहे आधा दर्जन आरोपियों को थाना कैंट क्षेत्र के रायपुर मेला बगिया से गिरफ्तार किया।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अमन यादव पुत्र पप्पू

यादव निवासी फुलौना थाना कूड़ेभार सुल्तानपुर,आलोक तिवारी पुत्र राम नायक तिवारी निवासी बेलगरा थाना तारुन व चाहत यादव पुत्र शिवराज यादव निवासी मिसरहिया थाना हैदरगंज ने 31 मई की लूट की घटना को स्वीकार किया। पुलिस ने इनके पास से साठ हजार रुपये नगद तथा घटना में प्रयुक्त दो बाइक, डकैती के लिए उपकरण,दो तमंचा सहित अन्य उपकरण बरामद किया। एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किये गये इन तीनों आरोपियों के अलावा रमेश चौहान पुत्र लल्लन चौहान निवासी घाटमपुर थाना कैंट, आलोक यादव पुत्र राम सनेही यादव निवासी बनभूसरा थाना तारुन व अरविंद यादव पुत्र धीरज यादव निवासी बारा थाना तारुन नामक तीन अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

## इस बार संविधान बचाने वालों की जीत हुई है – प्रिया सरोज

जौनपुर। मंगलवार को संपन्न हुई मतगणना के उपरांत भारी जीत से उत्साहित मछली शहर लोकसभा से सांसद नवनिर्वाचित प्रिया सरोज

ने कहा कि मुझे खुशी है कि जनता ने मुझ पर विश्वास किया है जनता के विश्वास पर मैं खरी उतरूंगी ,रोजगार ,किसानों, युवाओं, महिलाओं, को लेकर काम करूंगी। इस बार संविधान बचाने वालों की जीत हुई है। जो संविधान को हरा रहे थे उनकी हार हुई है। जो एग्जिट पोल दिखा रहे थे 400 पार उनको करारा जवाब मिला। चुनाव जनता लड़ रही थी। जीतने का श्रेय मछलीशहर की जनता को दूँगी संविधान खतरे में था। संविधान बचाने का मौका था। जनता ने जो प्यार और समर्थन दिया है उनके विश्वास पर खड़ा उतरूंगी और जितना भी विकास हो सकेगा वह किया जाएगा। वही नवनिर्वाचित सपा के सदर सांसद बाबू सिंह कुशवाहा ने कहा कि जौनपुर की सम्मानित जनता ने मुझे मौका दिया है,हमसे रिश्ता बनाया कि हम उनकी सेवा कर सकें, मुझे सेवा करने का मौका दिया है। मैं उनको धन्यवाद देता हूँ,जो भी जौनपुर की प्राथमिकता होगी। उन पर काम करूंगा, जौनपुर के विकास के बारे में काम करूंगा।ये मेरी ड्यूटी है कि मैं केंद्र व राज्य सरकार से कह कर जौनपुर में काम करके विकास करूंगा। प्रिया सरोज के पिता व केराकत के विधायक तूफानी सरोज ने कहा कि मछलीशहर की जनता संविधान बचाने के नाम पर जबरदस्त वोटिंग की है। मछलीशहर की जनता का धन्यवाद देता हूँ। हम उनके भावनाओं का हमेशा सम्मान करूंगा,प्रिया सरोज सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता है बहुत कम उम्र की है कम उम्र में सांसद बन गयी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का धन्यवाद दूंगा कि विचार करके जनता के बीच भेजा ,जनता ने वोटिंग करके भरोसा जताया है। पूरी जनता परिवर्तन के नाम पर वोटिंग किया है। जनता भाजपा से निजात चाहती है।

## जौनपुर दोनों लोकसभा सीटों पर सपा ने लहराया अपना परचम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा सदर व मचलीशहर की मतगणना भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंगलवार को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में संपन्न हुआ। दोनों लोकसभा में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों ने अपना परचम लहराया। जहां एक तरफ सदर लोकसभा से उम्मीदवार इंडिया गठबंधन के बाबू सिंह कुशवाहा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के कृपा शंकर सिंह को मात दिया तो वही मछली शहर लोकसभा से इंडिया गठबंधन उम्मीदवार प्रिया सरोज ने अपने प्रतिद्वंदी भाजपा के वर्तमान सांसद बीपी सरोज को हराया है।सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगड़ना के बाद पहले रुझान से ही सपा ने बढ़त हासिल कर अंतिम चरण तक बढ़त हासिल करने में सफल हुए। सपा प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कृपाशंकर सिंह को 99335 मतों से पराजित किया। बाबू सिंह कुशवाहा को 509130 मत प्राप्त हुए जबकि भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह को 409795 मत मिले। तीसरे स्थान पर रहे बसपा प्रत्याशी श्याम सिंह यादव को 156588 मत प्राप्त हुआ। मछलीशहर संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी प्रिया सरोज ने बाजी मारी है। उन्होंने अपने निकटतम् प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी बीपी सरोज को 35312 मतों से पराजित किया। प्रिया सरोज को 449069 मत प्राप्त हुआ जबकि वीपी सरोज को 413757 मत मिले। तीसरे स्थान पर रहे प्रत्याशी कृपाशंकर सरोज को 156680 मत प्राप्त हुए।

## सुल्तानपुर की माटी ने एक बार फिर दोहराया अपना इतिहास

सुल्तानपुर। संसदीय क्षेत्र का इतिहास रहा है कि यहां के सांसद को दोबारा लोकसभा के सदन में पहुंचने से रोका है। आज सुल्तानपुर ने अपने इस इतिहास को एक बार फिर दोहराया है। यही कारण है कि मेनका गांधी जैसी सशक्त सांसद को हार का मुंह देखना पड़ा। भाजपा प्रत्याशी मेनका गांधी को सपा के रामभुआल निषाद ने 43 हजार 174 मतों से पराजित कर दिया। राम भुआल निषाद को 4 लाख 44 हजार 330 मत मिले जबकि मेनका गांधी को 4 लाख 1 हजार 156 मत प्राप्त हुए। गांधी परिवार के लिए पलक पांवड़े बिछाने वाली जिले की जनता ने मेनका गांधी को एक बार फिर करारा झटका दिया है।

पहली बार जब वे अविभाजित सुल्तानपुर जिले की अमेठी सीट से राजीव गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ी थीं, तब भी उन्हें करारी मात मिली थी। इस बार फिर सुल्तानपुर ने उनका दिल तोड़ दिया। अपने राजनीतिक जीवन में केवल तीन बार हारने वाली मेनका को सुल्तानपुर जिले से दो बार हारना पड़ा है।

इस बार भाजपा प्रत्याशी मेनका गांधी को सपा के रामभुआल निषाद ने 43 हजार 174 मतों से पराजित कर दिया। राम भुआल निषाद को 4 लाख 44 हजार 330 मत मिले जबकि मेनका गांधी को 4 लाख 1 हजार 156 मत प्राप्त हुए। संजय मेनका गांधी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1984 में की थी। जब उन्होंने कांग्रेस से टिकट न मिलने पर बगावती तेवर अपना लिए और अपने जेठ राजीव गांधी के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में उतर पड़ी थीं। उस चुनाव में उन्हें जिले का हिस्सा रही अमेठी की जनता ने नकार दिया।

इसके बाद उन्होंने 1988 में जनता दल ज्वाइन कर लिया और पीलीभीत को अपना राजनीतिक ठिकाना बनाया।

जनता दल के टिकट पर वे पहली बार पीलीभीत से सांसद बनीं लेकिन इसके बाद अगले ही चुनाव में 1991 की रामलहर में एक बार फिर उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। 1996 में वे फिर पीलीभीत से लड़ीं और चुनाव जीतीं, इसके बाद 2019 तक लगातार चुनाव जीतती रहीं।

इस दौरान उन्होंने भाजपा का दामन थामा और निरंतर जीततीं रहीं। जीत के इसी क्रम में संसदीय सीट पर उन्हें 2019 में जीत तो हासिल हुई लेकिन करीब 14 हजार वोटों की बढ़त ने उनकी जीत का स्वाद कसैला कर दिया था। इस बार उन्हें भारी जीत की उम्मीद थी लेकिन जनता ने उन्हें एक बार फिर जीत से वंचित कर दिया।

# पिता को मुखाग्नि देने के बाद बेटे की मौत

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव के लोकनगर मोहल्ले में रहने वाले सेवानिवृत्त शिक्षक के निधन के बाद शुक्लागंज के गंगातट पर चिता को मुखाग्नि देते समय इकलौते बेटे की भी हालत बिगड़ गई। उसे लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दूसरे दिन उसकी मौत हो गई। शहर के मोहल्ला लोकनगर निवासी पद्यमनाथ त्रिवेदी (68) सेवानिवृत्त शिक्षक थे। 31 मई की रात पद्यमनाथ की तबीयत अचानक बिगड़ गई। पत्नी आशा ओर बेटा शोभित उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। चेस्ट फिजीशियन डॉ. शोभित अग्निहोत्री ने देखा और ब्रेन स्ट्रोक की संभावना जताते हुए कानपुर हैलट रेफर कर दिया। एंबुलेंस से लेकर जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर आए। एक जून को शुक्लागंज स्थित गंगातट पर परिजन अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे बेटे शोभित ने पिता की चिता को मुखाग्नि दी।

चिता जल ही रही थी कि तभी शोभित की हालत बिगड़ गई। साथ रहे लखनऊ निवासी मामा श्रीप्रकाश अवस्थी ने जिला अस्पताल पहुंचाया, सुधार न देख लखनऊ ट्रामा सेंटर लेकर चले गए। ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। उसी दिन लखनऊ में ही परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। ब्रेन स्ट्रोक के कई कारण होते हैं, इसलिए डॉक्टर यह नहीं बता पाए कि किस कारण पिता–पुत्र को यह दिक्कत आई। पहले पति दूसरे दिन इकलौते बेटे की मौत ने आशा को झकझोर कर रख दिया। वह कभी पति को याद कर बुलाती तो कभी बेटे को। दो दिन में दो मौतों से आशा का मानसिक संतुलन बिगड़ गया। आशा के भाई श्रीप्रकाश उसकी यह हालत देख अपने साथ लखनऊ लेकर चले गए।

# डिंपल को मिला मैनपुरी का ताज

मैनपुरी, संवाददाता। मैनपुरी लोकसभा सीट से एक बार फिर जनता ने डिंपल यादव को ही जीत का ताज पहनाया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह को 2.21 लाख वोटों से हराकर जीत अपने नाम कर ली। वहीं दूसरी तरफ भाजपा को एक बार फिर निराशा ही हाथ लगी। बसपा भी यहां बेहतर प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हो सकी। मैनपुरी लोकसभा सीट से कुल 8 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। इसमें सपा, भाजपा और बसपा के अलावा छोटे दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों के रूप में 5 प्रत्याशी शामिल थे। 7 मई को मतदान के बाद ही जनता के रुझान से ये बात साफ हो गई थी कि चुनाव सपा के पक्ष में है। मंगलवार को नवीन मंडी में मतों की गिनती हुई तो डिंपल यादव ने शुरू से ही बढ़त बनाई, जो अंत तक जारी रही। वहीं दूसरे स्थान पर भाजपा के जयवीर सिंह रहे। डिंपल ने 2.21 वोटों से जीत दर्ज की। वैसे तो बसपा प्रत्याशी शिवप्रसाद यादव तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन मुख्य मुकाबले से वे बाहर ही नजर आए। मुख्य मुकाबले में सपा और भाजपा ही रही। वहीं निर्दलीय प्रत्याशियों की अगर बात करें तो वे जमानत भी नहीं बचा पाए।

सपाइयों के खिले चेहरे, भाजपाइयों के मुरझाए

सुबह 8 बजे जब मतगणना शुरू हुई तो सपा और भाजपा दोनों के ही कार्यकर्ता मंडी पहुंचे थे। दोनों ही अपनी–अपनी जीत को लेकर आश्वस्त थे, लेकिन दिन चढ़ने के साथ मतगणना के रुझानों से माहौल बदल गया। सपाइयों के चेहरे जहां खिले नजर आए तो वहीं भाजपाइयों के चेहरे मुरझाते रहे। सपा जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य ने 27वें राउंड में बाहर आकर मौजूद लोगों से जीत होने पर खुशी जताई।

## संक्षिप्त खबरें

### फोटोग्राफी के दौरान ताज में गिरकर सैलानी घायल

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में ताजमहल में सोमवार को महाराष्ट्र के वर्धा से आए पर्यटक शेख सलमान सेंट्रल टैंक पर फोटोग्राफी के दौरान गिर पड़े। डायना सीट पर फोटोग्राफी के दौरान उनका पैर फिसला, जिससे वह नीचे गिरे और सिर में चोट लग गई। सिर से खून बहा तो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की मे आई हेल्प यू टीम उन्हें डिस्पेंसरी ले गई, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। सोमवार को 45.2 डिग्री पारे में ताजमहल दहकता रहा। इससे ताज का दीदार करने आए पांच सैलानियों की तबीयत बिगड़ गई। इनमें आंध्र प्रदेश के कुरुनूल से आई अरुणा बाई को तेज धूप से चक्कर आ गया। वहीं गाजियाबाद के ओम प्रकाश, मोहाली के सोनू, उदयपुर के नरेंद्र कुमार और केरल की आसिफा बेगम की तबीयत खराब हो गई। ताज के मुख्य गुंबद से सेंट्रल टैंक के बीच पर्यटक तेज धूप के कारण परेशान हो रहे हैं। इनकी तबीयत खराब होने के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कर्मचारियों ने ताज की डिस्पेंसरी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें परिजन के साथ रवाना किया गया।

### फतेहपुर सीकरी पर पलटी बाजी, धांधली का आरोप

आगरा, संवाददाता। आगरा में फतेहपुर सीकरी लोकसभा में कांग्रेस के रामनाथ सिकरवार और भाजपा के राजकुमार चाहर में कांटे की टक्कर दिख रही है। लोकसभा चुनाव 2019 में पीएम मोदी से बड़ी जीत दर्ज करने वाले राजकुमार चाहर और कांग्रेस प्रत्याशी के बीच सुबह से ही आगे और पीछे चलने का क्रम जारी है। दोपहर 1.30 बजे के बाद भाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर पिछड़े, लेकिन उसके बाद बड़े वोटों के अंतर से लीड ले ली। इस दौरान फतेहपुर सीकरी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिकरवार के समर्थकों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने मतगणना स्थल मंडी समिति, खैरागढ़ के बाहर शोर मचाना शुरू कर दिया। मतगणना में धांधली का आरोप लगाया। एसीपी अतुल शर्मा ने में फोर्स के अलाउंस करके खदेड़ा। मंडी समिति खेरागढ़ में फतेहपुर सीकरी लोकसभा हेतु मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच प्रारंभ हुई। जिलाधिकारी भानु गोस्वामी सहित पुलिस और प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी में पूरे लोकसभा के पांच विधानसभा कक्षों में मतगणना प्रारंभ हुई। शुरूआत में पोस्टल मतों की गिनती प्रारंभ हुई, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी रामनाथ सिंह सिकरवार ने बढ़त हासिल की। इसके उपरांत समस्त विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना प्रारंभ हुई।

### मतगणना स्थल पर 700 पुलिस कर्मी तैनात, रूट भी बदला रहेगा

बांदा, संवाददाता। बांदा–चित्रकूट संसदीय सीट के चुनाव की मतगणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। मतगणना स्थल पर सिर्फ मतगणना कर्मी, पुलिस कर्मी, प्रत्याशी या उनके एजेंट व मीडिया कर्मी ही प्रवेश कर सकेंगे। तिंदवारी रोड मंडी समिति स्थल दोनों ओर से ब्लॉक रहेगा। मतगणना के लिए तकरीबन 700 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें 25 इंस्पेक्टर और 75 सब इंस्पेक्टर शामिल हैं। इसके अलावा सीआईएसएफ की एक कंपनी (100 जवान) व पीएसी की एक कंपनी (100 जवान) तैनात रहेगी। इनकी दो शिफ्टों में ड्यूटी रहेगी।

इस रूट से नहीं जाएंगे भारी वाहन

तिंदवारी रोड स्थित मंडी समिति में मंगलवार को मतगणना होगी। आम नागरिकों को परेशानी न हो इसके लिए पुलिस ने रूट डायवर्जन किया है। शहर के महाराणा प्रताप चौक से कालू कुआं तक जाने वाली रोड में भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। आम नागरिक छोटे वाहनों से आ–जा सकेंगे। इसी तरह से तिंदवारी रोड पर राजस्थान मार्बल से सिर्फ मतगणना कर्मियों, पुलिस, अधिकारियों, प्रत्याशी की गाड़ी ही प्रवेश पा सकेगी। मंडी परिसर के अंदर पुलिस, वीआईपी, मतगणना कर्मियों के वाहनों की पार्किंग रहेगी। उधर, तिंदवारी रोड में छोटा बाईपास से कोई भी गाड़ी मंडी स्थल में प्रवेश नहीं पा सकेगी। इसके अलावा कालूकुआं से बबेरू रोड और महाराणा प्रताप चौक से कानपुर की ओर जाने वाला रास्ता पहले की तरह खुला रहेगा।

### दिव्यांग समेत तीन की मौत हुई, लू लगने की आशंका

बांदा, संवाददाता। अलग–अलग थाना क्षेत्रों में तीन लोगों के शव पड़े मिले। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। लू लगने से मौत की आशंका जताई जा रही है। देहात कोतवाली क्षेत्र के महोखर डाड़िन पुरवा के राममिलन वर्मा (45) का शव महोखर बाईपास के पास पेड़ के नीचे मिला। छोटे भाई राजा बाबू ने बताया कि वर्ष 2010 में दुर्घटना में वह एक पैर से दिव्यांग हो गया था। भिक्षा मांगकर गुजर–बसर कर रहा था। घर में तीन पुत्री व दो पुत्र हैं। राजाबाबू ने लू से मौत की आशंका जताई है। देहात कोतवाली इंस्पेक्टर सुखराम सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। उधर, रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म–एक पर सोमवार को 60 वर्षीय साधु वेषधारी का शव पड़ा मिला। आरपीएफ व जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखाया है। जीआरपी थानाध्यक्ष नवेंदुशेखर अग्निहोत्री ने कहा कि लू लगने की आशंका लग रही है। इसी तरह नरैनी कोतवाली क्षेत्र के कस्बे में एक 60 वर्षीय अज्ञात वृद्ध का शव पड़ा मिला।

# निजी बस चालक –परिचालकों ने की हड़ताल

शामली, संवाददाता। बस स्टैंड के पास टेंपो में नियम विरुद्ध सवारी भरने और विरोध करने पर बस एजेंट से मारपीट करने के विरोध में दोपहर को निजी बस के चालक–परिचालकों ने हड़ताल कर दी। चालक– परिचालक बसों को लेकर एआरटीओ कार्यालय पर पहुंचे और टेंपो चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। एआरटीओ के जांच कर कार्रवाई का आश्वासन देने पर चालक– परिचालक बस लेकर लौटे। इस दौरान करीब दो घंटे तक निजी बसों का संचालन बाधित रहा। करीब 12 बजे निजी बस मालिक शमीम व खुर्शीद के साथ चालक और परिचालकों ने बसों की हड़ताल कर संचालन बंद कर दिया। इसके बाद चालक–परिचालक एआरटीओ कार्यालय पर पहुंचे। चालक– परिचलकों ने एआरटीओ रोहित राजपूत को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि वे मुजफ्फरनगर– जमुना ब्रिज की बसों के चालक– परिचालक है। शामली में अजंता चौक व विजय चौक पर टेंपो में अवैध रूप से क्षमता से भी अधिक सवारी भरी जाती है, जिस कारण बसों के लिए सवारी नहीं मिलती जबकि उनके पास परमिट है। आरोप है कि बस अड्डे के पास टेंपो में सवारी भरने का विरोध करते हैं तो उनके साथ मारपीट की जाती है। रविवार शाम को भी टेंपो चालक ने बस एजेंट से मारपीट की। इसके बाद टेंपो चालक ने अपनी पत्नी की तरफ से एजेंट के खिलाफ पुलिस से झूठी शिकायत कर दी। इसी तरह की घटनाएं आए दिन उनके साथ होती रहती है। एआरटीओ रोहित राजपूत ने बस के चालक–परिचालकों को मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान संजीव, अंकित, बोबी, नईम, वाजिद, बिलाल, तेज सिंह, विनोद कुमार, सुनील व कृष्णपाल आदि मौजूद रहे।

# ट्रकों की पहचान बदलकर 15 बार कराया लोन, एसटीएफ ने दबोचे गैंग के दो गुर्गे

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में ट्रक के इंजन, चेसिस नंबर बदलकर आरटीओ से फर्जी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) और अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) बनवाई। फिर ट्रकों पर लोन लेकर करोड़ों की धोखाधड़ी की। ऐसे अंतरराज्यीय गैंग का सोमवार को पुलिस ने पर्दाफाश किया। ट्रांसपोर्ट नगर से गैंग के दो गुर्गे एसटीएफ ने गिरफ्तार किए, जिन्होंने तीन ट्रक पर 15 बार लोन कराया था। सोमवार को ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस चौकी के पीछे खुले मैदान में ट्रकों के चेसिस व इंजन नंबर बदलते दो गुर्गे पकड़े गए। पुलिस ने बताया कि लोन लेकर ट्रक खरीदने वालों को गैंग निशाना बनाता था। लोन लेने के बाद जो किस्त नहीं भर पाते थे उनसे सस्ते दाम पर ट्रक खरीदता था। फिर उन ट्रक के चेसिस, इंजन नंबर और डैशबोर्ड बदलकर नई पहचान बनाई जाती थी। आरटीओ कार्यालय में फर्जी आरसी बनवाई जाती थी। नो ड्यूज

की एनओसी लेकर उन कूटरचित दस्तावेज से बैंक व फाइनेंस कंपनियों से गैंग उन ट्रकों पर लोन कराता था।

डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने बताया कि इस गैंग का नेटवर्क यूपी व राजस्थान के अलावा अन्य कई राज्यों तक फैला है। पकड़े गए आरोपियों में एक धौलपुर नीमखेड़ा का देवेंद्र सिंह और दूसरा डौकी क्षेत्र का बिकेंद्र तोमर है। इस गैंग में आरटीओ कार्यालय, फाइनेंस कंपनियों व बैंक कर्मियों के शामिल होने का शक है। यूपी व राजस्थान के कई जिलों में इन लोगों ने 3 ट्रकों पर 15 बार लोन कराया। एसटीएफ ने दोनों के कब्जे से तीन फर्जी रजिस्टर्ड ट्रक, एक स्विफ्ट कार, 10 कूटरचित डैशबोर्ड और आठ कूटरचित इंजन प्लेट, पांच मोबाइल फोन व एक ड्राइविंग लाइसेंस बरामद की हैं। दोनों को पूछताछ के बाद जेल भेजा गया।

आरटीओ दफ्तर से जुड़े हैं तार

पुलिस को शक है कि गैंग के तार आगरा, धौलपुर, भरतपुर व अन्य जिलों के आरटीओ दफ्तर से जुड़े हैं।

आरटीओ में तैनात कर्मचारी गैंग से मोटी रकम वसूल कर फर्जी रजिस्ट्रेशन व नो ड्यूज एनओसी बनाते थे। इस गैंग में फाइनेंस कंपनी व बैंक कर्मी भी शामिल हैं। जो फर्जी आरसी व एनओसी से ट्रक पर लाखों का लोन कराते हैं।

# पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हुई

शामली, संवाददाता। थानाक्षेत्र में मेरठ–करनाल हाईवे पर गांव रज्जाक नगर के पास देर रात तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दो दोस्तों को कुचल दिया। एक युवक की जिला अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जबकि उसके साथी की उपचार के दौरान मौत हुई। दोनों दोस्तों की मौत होने से परिजनों में गम का माहौल है। हादसे के बाद पिकअप को मौके पर छोड़कर चालक फरार हो गया। रविवार की देर रात मेरठ– करनाल हाईवे पर गांव रजाक नगर के पास झिंझाना से शामली जा रहे बाइक सवार दो दोस्तों को पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी पिकअप में बाइक फंस गई। इसके बाद चालक गाड़ी को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सक ने राहुल (26 वर्ष) निवासी रेलपार शामली को मृत घोषित कर दिया। जबकि उसके साथी रविंद्र (24) निवासी गांव बलवा को हायर सेंटर रेफर किया गया, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पिकअप गाड़ी को कब्जे में ले लिया। मृतक राहुल के भाई प्रदीप ने पुलिस को पिकअप गाड़ी के चालक के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर गाड़ी चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। दोनों युवकों की मौत से उनके परिजनों में गम का माहौल है।

चार भाइयों में सबसे बड़ा था राहुल

मृतक राहुल के छोटे भाई प्रदीप ने बताया कि वे रेलपार में अपनी नानी के घर रहते हैं। उनके पिता का कई साल पहले निधन हो चुका है। राहुल चार बहन भाइयों में सबसे बड़ा था। दो बहनों में एक की शादी हो चुकी है। छोटी बहन शिवानी 10 वीं में पढ़ती है और वह बीबीए की पढ़ाई कर रहा है। प्रदीप ने बताया राहुल राजस्थान में काम करता है। वह रविवार को ही वहां से आया था और अपने साथी रविंद्र के साथ बाइक पर झिंझाना रिश्तेदारी में गया था। प्रदीप ने बताया उसकी मां सरस्वती देवी दिल्ली में काम करती है। फिलहाल वह अपनी मां व बहन के साथ दिल्ली में किराये के मकान में रह रहे हैं। हादसे की जानकारी मिलने पर सोमवार सुबह वे शामली पहुंचे।

# पुलिसकर्मियों को धक्का देकर फरार हुआ हिस्ट्रीशीटर

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर में अदालत में पेशी पर आया हिस्ट्रीशीटर वसीम उर्फ मॉडल पुलिसकर्मियों को धक्का देकर फरार हो गया। हिस्ट्रीशीटर उस समय फरार हुआ जब एक सिपाही पेशी से उसे पैदल ही लेकर जा रहा था। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि बदमाश पर हत्या समेत कई अन्य संगीन अपराधों के करीब 29 मामले दर्ज हैं। खान आलमपुरा निवासी वसीम उर्फ मॉडल जनकपुरी थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जो करीब नौ माह से हत्या के मामले में जेल में बंद है। सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे एडीजे–3 की अदालत में पेशी के बाद एक सिपाही हथकड़ी लगाकर ले जा रहा था। अदालत परिसर में बदमाश ने किसी तरह हथकड़ी से हाथ निकाला और पुलिसकर्मियों को धक्का देकर भाग गया। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक व अन्य कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। बदमाश की तलाश में जिले भर में अभियान चलाया गया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

160 रुपयों के लिए की थी हत्या

हिस्ट्रीशीटर ने 26 जुलाई 2023 को बेहट रोड पर चिकन की दुकान चलाने वाले शालू आलम के साथ 160 रुपये को लेकर विवाद हो गया था। उस समय हिस्ट्रीशीटर ने अपना सिर फोड़ लिया था और थाने जाकर दुकानदार के खिलाफ शिकायत दी थी। अगले दिन दुकानदार ने भी शिकायत दी थी। इसी रंजिश के चलते सात दिन बाद वसीम उर्फ मॉडल ने अपने नौ साथियों के साथ मिलकर दुकानदार शालू आलम की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक–एक कर आरोपियों को गिरफ्तार किया था। दो आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं। फरार हुए बदमाश की तलाश की जा रही है। इस मामले में जांच रिपोर्ट मांगी गई है, जो भी पुलिसकर्मी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# फर्जी तरीके से मजिस्ट्रेट बन जारी कर दिया वारंट

शामली, संवाददाता। ऊन पुलिस चौकी पर तैनात दरोगा सहित पांच पुलिसकर्मियों ने बड़ा खेल कर दिया। पिंडोरा जहागीरपुर गांव के रहने वाले युवक सोनू के नाम का एसडीएम न्यायालय से फर्जी जमानतीय वारंट जारी कर दिया और उसे पुलिस चौकी पर लाकर यातनाएं दी गई। बाद में उसका शांतिभंग में चालान कर दिया। शिकायत के बाद एसडीएम और एएसपी की जांच में पुलिसकर्मियों का खेल उजागर हुआ है। इस मामले में ऊन पुलिस चौकी पर तैनात पांचों पुलिसकर्मियों पर गाज गिरना तय है। पिंडौरा जहागीरपुर निवासी सोनू पुत्र जगरोशन ने एसपी अभिषेक से शिकायत करते हुए बताया था कि 28 अक्तूबर को उसे ऊन पुलिस चौकी पर तैनात पांच पुलिसकर्मी जमानतीय वारंट के आधार पर जबरन बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गए और पूरी रात उसे पुलिस चौकी पर बैठाए रखा। वहां उसके साथ मारपीट करते हुए यातना दी गई। अगले दिन 29 अक्तूबर को 151 में उसका चालान कर दिया। सोनू का आरोप था कि कोर्ट से उसका कोई भी जमानतीय वारंट जारी नहीं किया गया था, खुद ही पुलिसकर्मियों ने फर्जी वारंट जारी कर उसका चालान किया। इस मामले में चौकी पर तैनात दरोगा सहित पांचों पुलिसकर्मियों की जांच की मांग सोनू ने की। इस मामले की जांच एएसपी को सौंपी गई। एएसपी ने एसडीएम उन को इस संबंध में पत्र लिखा और वारंट जारी होने या फिर नहीं होने के बारे में पूरी रिपोर्ट मांगी। एसडीएम ऊन ने अपनी रिपोर्ट में पाया कि प्रभारी निरीक्षक थाना झिंझाना की चालानी रिपोर्ट 23 मई 2023 को प्राप्त हुई थी। प्रथम पक्ष जगरोशन, संजीव कुमार, सुमित कुमार सोनू कुमार और द्वितीय पक्ष रतन सिंह आदि के बीच मकान पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है। थाना प्रभारी की रिपोर्ट के आधार पर इनके विरुद्ध धारा 107, 111 का नोटिस 17 जून 2023 को जारी किया गया। उक्त नोटिस के अनुपालन में विपक्षी सोनू, सुमित और जगरोशन द्वारा 1 अगस्त, ,2023 को न्यायालय में पहुंचकर जमानत करा ली थी। विपक्षी संजीव पुत्र जगरोशन द्वारा भी 12 दिसंबर को जमानत करा ली थी। एसडीएम की जांच में सामने आया है कि 28 अक्तूबर को न्यायालय से कोई भी जमानतीय या फिर गैर जमानतीय वारंट प्रभावी नहीं था। यहीं नहीं पुलिस चौकी की चालानी रिपोर्ट 29 अक्तूबर में सोनू को धारा 151 में निरुद्ध किए जाने का कारण आने जाने वाले व्यक्तियों के साथ झगड़ा करना दर्शाया है।

लगातार की जा रही थी पांच हजार की मांग

सोनू का आरोप है कि उनका गांव में ही पड़ोसी के साथ मकान को लेकर विवाद चल रहा था। इसमें उसे फंसाने की तैयारी की जा रही थी। जिसके लिए पुलिसकर्मियों ने पांच हजार की मांग भी की थी। मगर उसने देने से मना कर दिया था। इसके बाद ही उसका फर्जी तरीके से वारंट जारी कर रातभर चौकी पर रखा और मारपीट की।

जल्द इंसाफ नहीं मिला तो सीएम से करुंगा शिकायत

सोनू का कहना है कि मामले की शिकायत वह कई बार अधिकारियों से कर चुका है, मगर अभी तक इंसाफ नहीं मिला है। कहा कि यदि जल्द ही इंसाफ नहीं मिला तो प्रदेश के मुख्यमंत्री से शिकायत करुंगा। दोषी पुलिसकर्मियों को सजा दिलाकर रहूंगा।युवक के चालान में फर्जी वारंट जारी करने की बात जांच में सामने आई है। मामले की जांच एसपी को भेज दी है। एक जांच सीओ शामली से कराई जा रही है।जल्द ही कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बीते 27 सितंबर को एसडीएम न्यायालय से ऊन क्षेत्र के सोनू का वारंट जारी करने का मामला सामने आया था। न्यायालय से कोई वारंट जारी नहीं करने की बात एसडीएम की जांच में सामने आई है। रिपोर्ट पुलिस अधिकारियों को भेजी गई है।

रविंद्र सिंह, डीएम, शामली

जांच में जो भी पुलिसकर्मी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

# मई की भीषण गर्मी में फुंके 1140 ट्रांसफार्मर

बांदा, संवाददाता। चित्रकूटधाम मंडल में भीषण गर्मी से बिजली आपूर्ति व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। हर रोज ओवरलोड होकर 40 से 50 ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। मई में चारों जिलों में 1140 ट्रांसफार्मर फुंके, जबकि बिजली विभाग के वर्कशाप में माहभर में 350 ट्रांसफार्मरों के ही मरम्मत करने की क्षमता है। वर्कशाप में स्टाफ की कमी के कारण निजी कर्मचारियों की मदद लेनी पड़ रही है। ऐसे में यदि कहीं ट्रांसफार्मर फुंक गया तो उसे बदलने में दो से तीन दिन लग जाते हैं। मोबाइल ट्रांसफार्मर कहने को तो 20 हैं, पर यह भी समय पर नहीं पहुंच पाते। बिजली विभाग के वर्कशाप में फुंके हुए ट्रांसफार्मरों का ढेर लगा है। मई में 49 डिग्री तक तापमान पहुंच जाने के कारण बिजली की खपत बढ़ी और सबसे ज्यादा ट्रांसफार्मरों पर लोड पड़ा। गर्मी में गर्म होकर ट्रांसफार्मर धू–धूकर जल रहे हैं। बिजली विभाग की मानें तो मई में मंडल के चारों जिलों में 1140 ट्रांसफार्मर ओवरलोड होकर फुंके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 25 केवीए के 527 ट्रांसफार्मर फुंके हैं। 63 केवीए के 203 व 100 केवीए के 122 ट्रांसफार्मर गर्मी बर्दाश्त नहीं कर सके। 630 केवीए के सात और एक हजार केवीए के पांच ट्रांसफार्मर जले हैं। इनमें 1129 ट्रांसफार्मरों के मरम्मत का दावा किया जा रहा है। शासन से आदेश हैं कि शहर में ट्रांसफार्मर फुंकने के बाद शहर क्षेत्र में आठ घंटे और ग्रामीण क्षेत्र में 24 घंटे के अंदर बदलकर दूसरे लगाए जाएं, लेकिन वर्कशाप में स्टाफ व संसाधनों की कमी की वजह से ट्रांसफार्मरों की मरम्मत समय से नहीं हो पाती। ऐसे में शहर में ट्रांसफार्मर बदलने में दो से चार दिन का समय लग जाता हैं। बांदा में बिजली विभाग के वर्कशाप में हर रोज 10 से 12 ट्रांसफार्मरों के मरम्मत करने की क्षमता है। यहां जेई व एसडीओ सहित कुल 12 कर्मचारियों की टीम है, जो ट्रांसफार्मरों की मरम्मत कराते हैं। एक ट्रांसफार्मर बनाने में चार कर्मचारियों की टीम की जरूरत पड़ती है। हमीरपुर जिले के वर्कशाप में हर माह 200 ट्रांसफार्मर मरम्मत कराने की क्षमता है।

## हंसपुरम और मंडी परिषद सबस्टेशनों की बढ़ेगी क्षमता, हफ्ते भर में लगेंगे 10 एमवीए के पावर ट्रांसफार्मर

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में दो दिनों में फॉल्ट और ट्रांसफार्मर में गड़बड़ी के मामले कम हुए हैं। अत्यधिक प्रभावित कल्याणपुर खंड के केशवपुरम सबस्टेशन, विकासनगर खंड के दयानंद विहार सबस्टेशन में 10 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर लगा दिए गए हैं। यहां पावर ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक लोड बढ़ने से फॉल्ट की समस्या आ रही थी। अब हंसपुरम और मंडी परिषद सब स्टेशन से जुड़े मोहल्लों में सबसे ज्यादा लाइट जा रही है। केस्को की ओर से दोनों सबस्टेशनों में हफ्तेभर के अंदर 10 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। केस्को ने फॉल्ट और बार बार सप्लाई बाधिक होने की समस्या को देखते हुए दहेली सुजानपुर, नौबस्ता, केशवपुरम, दबौली, सर्वोदयनगर, नमक फैक्ट्री, बिजलीघर, जरीब चौकी, मंडी परिषद समेत कुछ अन्य सब स्टेशनों को संवेदनशील की श्रेणी में रखा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।